

Dear DFCCIL Family,

I extend my heartiest Independence Day greetings to you all. As the nation prepares to celebrate the 79th Independence Day, witnessing the tricolour unfurl in the premises of our newly commissioned and operational DFCCIL Corporate Office Noida gives me immense pleasure and satisfaction. Independence Day offers us an opportunity to reunite with our history; it gives us an occasion to evaluate the current state and deliberate on the future direction. Standing tall as the world's fourth-largest economy, our great nation has emerged as the fastest-growing major economy and notwithstanding the challenging global scenario we are on track to become the world's third largest economy by 2030. Growth has been spurred on by public investment in infrastructure, to which DFCCIL has been a seminal contributor. I take this moment to reflect on our achievements while also envisioning what the future looks like.

In Financial Year 2024-25, a total of 37 Road Over Bridges (ROBs) were completed. The Kundevahal Tunnel, one of the last tunnels in the JNPT-Vaitarna section of WDFC, achieved breakthrough on 26th March 2025, JNPT-Vaitarna is the last section of WDFC, with ongoing work and scheduled timeline of Dec'25 as completion, I urge for your support and co-operation in achieving the set target. New Prithla Yard modification was completed on 23rd June 2025. The yard integrates Palwal (Indian Railway), Haryana Orbital Rail Corridor, and a four-line container handling depot under advanced interlocking, featuring 561 routes, making it the largest yard on the DFC. The Gati Shakti Cargo Terminal (GCT) Gothangam, operated by Emirates Logistics India Pvt.Ltd. was inaugurated on WDFC on 23rd March 2025. This marks the 4th GCT on the DFC network and the 2nd GCT commissioned in Financial Year 2024-25.

Our evolution and transition from exclusive construction to integrated construction and operation organization has also been immaculate. Today DFCCIL is carrying more than 13% of nation's total freight transport with only 4% of network, the impact of which is transcendental. DFCCIL achieved major milestones by recording 112 billion NTKM and 192 billion GTKM in FY 2024-25, registering a remarkable growth of over 68% in NTKM and 61% in GTKM compared to FY 2023-24. We concluded the FY 2024-25 with an impressive operational achievement, running a total of more than 1,30,000 trains over the DFC network. In March 2025, 12,497 trains were operated, registering the highest-ever average daily train run of 403 trains per day, exhibiting the growing reliance on DFCCIL's network for seamless and high-volume freight transportation.

This ongoing period of **The Amrit Kaal**, a quarter century paving the way to the centenary of our independence, is going to be shaped by knowledge, science and technology. As usually said **"We don't know who discovered water, but we are certain it wasn't a fish"** hence nurturing the intellect, enriching the understanding and embarking a change in mindset which integrates the best of existing knowledge and cutting-edge research is our foremost objective. To this end, DFCCIL has been tirelessly endeavouring. We successfully hosted first-ever Global Heavy Haul Seminar 2025 on June 20-21 at Bharat Mandapam, New Delhi, with the theme "Beyond Construction: Sustaining Heavy Haul Networks with Predictive Maintenance." Bringing together industry leaders and experts from 07 countries, including 18 international delegates,

making it a truly global platform for the exchange of ideas on the future of heavy haul operations. **Considering that the best way to predict the future is to create it**, DFCCIL has persistently sought technical collaborations and has signed Memorandum of Understanding (MoU) with Monash University (Australia), Gati Shakti Vishwavidyalaya University through Centre for Heavy Haul Rail Research & Development (CHHRRD) for, nurturing innovation and research. And IISc, Bengaluru for development of **Broken Rail Detection System**. We have initiated deployment of **Unmanned Aerial Vehicles/drone technology** for heavy haul track monitoring and inspection and commenced India's first "**Top of Rail Friction Management Solution**"- a pioneering step towards enhancing efficiency, safety and sustainability.

In retrospect, reflecting on all the accomplishments, makes me realise that this spectacular mosaic of success has been crafted by the unceasing labour, unyielding commitment of DFCCIL team. I convey my sincere appreciation to PMC, stakeholders, outsource employees who have contributed to the accomplishments of the organization. I also extend sincere gratitude to the Indian government, ministries, state governments and other stakeholders in this era defining journey.

History has bestowed upon us this magnificent opportunity, the future will bear witness to it that we have not failed in reshaping the destiny of a **Viksit and Aatmnirbhar Bharat**. To this end I want you all to carry a thought rather a commitment with you today of being punctual in life, to value time. Being punctual is reflective of our integrity, reliability and dedication to the organization. Above all it is a show of respect to our colleagues and tasks assigned to us.

Economies of today travel on infrastructure. You and I as part of DFCCIL, in fact all of us, are unified in this journey, which has the potential to render our institution, our motherland, as an enduring embodiment of **Viksit, Aatmanirbhar evam Bhavishyonmukhi** in time to come.

Once again wishing you all a very Happy Independence Day.

Jai Hind !
Jai Bharat !



(Praveen Kumar)

डीएफसीसीआईएल परिवार के प्रिय साथियों,

मैं आप सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ, जैसा कि हमारा राष्ट्र आज 79वाँ स्वतंत्रता दिवस मना रहा है। हमारे हाल ही में प्रारंभ और क्रियाशील हुए डीएफसीसीआईएल कॉर्पोरेट कार्यालय, नोएडा के प्रांगण में तिरंगे को लहराते देखना मुझे अत्यधिक हर्ष और संतोष प्रदान करता है। स्वतंत्रता दिवस हमें अपने इतिहास से पुनः जुड़ने का अवसर देता है; यह हमें वर्तमान स्थिति का मूल्यांकन करने और भविष्य की दिशा पर विचार करने का अवसर प्रदान करता है। विश्व की चौथी सबसे बड़ी, सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में उभरकर, चुनौतीपूर्ण वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद, हमने 2030 तक विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में दृढ़ कदम बढ़ाए हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर में सार्वजनिक निवेश ने हमारे विकास को तीव्र गति दी है, जिसमें डीएफसीसीआईएल का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। इस अवसर पर हमारी उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए, मैं डीएफसीसीआईएल के भविष्य की तस्वीर को भी अपने मन में संजो रहा हूँ।

वित्त वर्ष 2024-25 में कुल 37 रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) का निर्माण पूरा किया गया। कुंडेवाहल सुरंग, जो डब्ल्यूडीएफसी के जेएनपीटी-वैतरना खंड की अंतिम सुरंगों में से एक है, को 26 मार्च 2025 को पूरा कर लिया गया। जेएनपीटी-वैतरना, डब्ल्यूडीएफसी का अंतिम खंड है, जिसका कार्य प्रगति पर है और इसे दिसंबर 2025 तक पूर्ण करने का लक्ष्य है। इस निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने में मैं आपके सहयोग का आह्वान करता हूँ। न्यू पृथ्वी यार्ड मोडीफिकेशन कार्य 23 जून 2025 को पूरा किया गया। यह यार्ड भारतीय रेल के पलवल, हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर और चार-लाइन के कंटेनर हैंडलिंग डिपो को आधुनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली के तहत एकीकृत करता है, जिसमें 561 रूट शामिल हैं। इस तरह से यह डीएफसी पर सबसे बड़ा यार्ड बन जाता है। गौथनगांव को गति शक्ति कार्गो टर्मिनल (जीसीटी) जो कि एमिरेट्स लॉजिस्टिक्स इंडिया प्रा. लि. द्वारा संचालित है, इसका उद्घाटन डब्ल्यूडीएफसी पर 23 मार्च 2025 को किया गया। यह डीएफसी नेटवर्क पर चौथा टर्मिनल है और वित्त वर्ष 2024-25 में चालू किया गया दूसरा टर्मिनल है।

मात्र निर्माण कार्य से निर्माण और संचालन संगठन की एक इकाई में विकसित और परिवर्तित होने का यह सफर भी अत्यंत शानदार रहा है। आज डीएफसीसीआईएल राष्ट्र के कुल माल ट्रांसपोर्टेशन का 13% से अधिक का परिवहन मात्र 4% नेटवर्क पर कर रहा है, जिसका प्रभाव अद्वितीय और दूरगामी है। वित्त वर्ष 2024-25 में डीएफसीसीआईएल ने महत्वपूर्ण कीर्तिमान स्थापित किए हैं, जिसमें 112 बिलियन एनटीकेएम (नेट टन किलोमीटर) और 192 बिलियन जीटीकेएम (ग्रॉस टन किलोमीटर) का रिकॉर्ड स्थापित किया है। यह वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में एनटीकेएम में 68% और जीटीकेएम में 61% की उत्तरेखनीय बढ़ोत्तरी है। हमने वित्त वर्ष 2024-25 का समापन बड़ी परिचालन उपलब्धि के साथ किया, जिसमें डीएफसी नेटवर्क पर कुल एक लाख तीस हजार से से अधिक मालगाड़ियों का संचालन हुआ। मार्च 2025 में वारह हजार चार सौ सत्तानवें मालगाड़ियों का संचालन हुआ, जिसमें से यह एक दिन का 403 मालगाड़ियों का सर्वोच्च रिकार्ड है। यह डीएफसीसीआईएल के नेटवर्क पर निर्बाध और बड़े पैमाने पर माल परिवहन के लिए बढ़ते भारों को दर्शाता है।

अमृत काल की यह अवधि यानि यह एक एक चौथाई शती जो कि स्वतंत्रता की शताब्दी की तरफ ले जा रहा है, यह समय, ज्ञान, विज्ञान और तकनीकी से आकार लेगा। जैसा कि अवसर कहा जाता है — “हमें नहीं पता पानी की खोज किसने की, लेकिन यह निश्चित है कि वह कोई मछली नहीं थी” — अतः बुद्धि का पोषण करना, समझ को समृद्ध बनाना और ऐसी मानसिकता में परिवर्तन लाना, जो वर्तमान ज्ञान के श्रेष्ठतम पहलुओं को आधुनिक शोध के साथ समाहित करे, यही हमारा प्रमुख उद्देश्य है और इसी लक्ष्य की प्राप्ति हेतु डीएफसीसीआईएल निरंतर प्रयासरत है।

क्रमशः.....

हमने 20-21 जून को भारत मंडपम, नई दिल्ली में प्रथम बार ग्लोबल हेवी हॉल सेमिनार 2025 का सफल आयोजन किया, जिसका विषय था — “Beyond Construction: Sustaining Heavy Haul Networks with Predictive Maintenance.” इस सेमिनार में 07 देशों के उद्योग जगत के अग्रणी विशेषज्ञों और 18 अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों सहित अनेक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिससे यह हेवी हॉल संचालन के भविष्य पर विचार-विमर्श करने का एक वास्तविक वैश्विक मंच बना। यह मानते हुए कि भविष्य का अनुमान या भविष्यवाणी करने का सबसे अच्छा तरीका उसे स्वयं निर्मित करना है, डीएफसीसीआईएल ने लगातार तकनीकी सहयोग के प्रयास किए हैं और Monash University (ऑस्ट्रेलिया), गति शक्ति विश्वविद्यालय के Centre for Heavy Haul Rail Research & Development (CHHRRD) के साथ नवाचार और शोध को प्रोत्साहित करने के लिए तथा IISc, बेंगलुरु के साथ **Broken Rail Detection System** के विकास हेतु MOU पर हस्ताक्षर किए हैं। हमने हेवी हॉल ट्रैक मॉनिटरिंग और निरीक्षण के लिए मानवरहित हवाई यान/ड्रोन तकनीक का उपयोग प्रारंभ किया है और भारत के पहले “टॉप ऑफ रेल फ्रिक्शन मैनेजमेंट सॉल्यूशन” को लागू किया है — जो दक्षता, संरक्षा और निरंतरता को बढ़ाने की दिशा में एक अग्रणी कदम है।

पिछले समय को देखते हुए, जब मैं इन सभी उपलब्धियों पर विचार करता हूँ, तो मुझे एहसास होता है कि यह शानदार सफलता की कहानी डीएफसीसीआईएल टीम के निरंतर परिश्रम और अटूट समर्पण से निर्मित हुई है। मैं पीएमसी, Stake holders और आउटसोर्स कर्मचारियों के प्रति अपनी हार्दिक प्रशंसा व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने संगठन की उपलब्धियों में भारी योगदान दिया है। साथ ही, इस युग-निर्धारक यात्रा में सहयोग देने के लिए मैं भारत सरकार, विभिन्न मंत्रालयों, राज्य सरकारों और अन्य सभी Stake holders के प्रति भी अपनी गहन कृतज्ञता प्रकट करता हूँ।

इतिहास ने हमें यह अद्वितीय अवसर प्रदान किया है, और भविष्य इस बात का साक्षी होगा कि विकसित और आत्मनिर्भर भारत के भाग्य को पुनः गढ़ने में हम असफल नहीं रहे। अंत में, मैं आज आप सभी से यह अपेक्षा करता हूँ कि आप एक विचार, बल्कि एक संकल्प अपने साथ लेकर जाएँ — जीवन में समय की पाबंदी और समय का मूल्य समझें। समयबद्धता हमारी समयनिष्ठा, हमारे ईमान, विश्वसनीयता और संगठन के प्रति समर्पण का दर्पण है। सबसे बढ़कर, यह हमारे सहकर्मियों और हमें सौंपे गए कार्यों के प्रति हमारा सम्मान दर्शाता है।

आज की अर्थव्यवस्थाएँ इंफ्रास्ट्रक्चर के आधार पर आगे बढ़ती हैं। आप और मैं, और वस्तुतः हम सभी, डीएफसीसीआईएल का हिस्सा होकर इस यात्रा में एकजुट हैं — एक ऐसी यात्रा, जिसमें हमारी संस्था और हमारी मातृभूमि को आने वाले समय में विकसित, आत्मनिर्भर एवं भविष्योन्मुख का स्थायी अवतार बनाने की क्षमता है।

एक बार पुनः आप सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

जय हिंद

जय भारत

प्रवीण कुमार

(प्रवीण कुमार)